किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मध्यप्रदेश

दिनांक 26-02-2019

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की साझेदारी सतत विकास लक्ष्यों के लिए

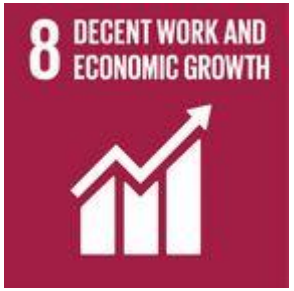

विभागीय रणनीति

- कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करना
- फार्मर्स के लिए कौशल विकास, जागरूकता शिविर, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना
- महिला किसानों और उद्यमियों को बढ़ावा दिया जाए
- विभिन्न फसलों के समान उत्पादन का आश्वासन देने के लिए बहु फसल खेती को बढ़ावा देना

योजनाएं

- प्राइस सपोर्ट स्कीम अन्तर्गत उत्पादन का 25 से 40 प्रतिशत उपार्जन का प्रावधान है।
- प्राईस डेफिसिट पेमेंट सिस्टम में न्यूनतम समर्थन मूल्य का 25 प्रतिशत तक कमी के भुगतान करने का प्रावधान है।

कौशल विकास कार्यक्रम

- ग्रामीण अंचल में ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों की मरम्मत की सुविधा हेतु कौशल विकास केन्द्र 05 स्थानों पर संचालित है।
- प्रशिक्षण देने हेतु तकनीकि पार्टनर के रूप में प्रतिष्ठित ट्रैक्टर निर्माताओं से अनुबंध किया गया है।
- ग्रामीण युवाओं को 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है।
- प्रशिक्षण की मान्यता एग्रीकल्चर स्किल काउसिंल ऑफ इंडिया से ली गई है।
- 1300 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।
- प्रस्तावित नवीन कोर्स

  1. माइक्रो इरीगेशन टेक्नीशियन
  2. सोलर पंप रिपेयर एंड मेनटेनेन्स

योजनाएं

- आत्मा योजनान्तर्गत जागरूकता शिविर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है।
- कृषि रूचि समूह व जिंसवार समूह के गठन से फसल विशेष के उत्पादन में वृद्धि हुई तथा फसल विशेष की उन्नत तकनीकी में आ रही कठिनाईयों का निराकरण किया गया ।

उद्यमियों को बढावा

क्रियेशन आफ डिजिटाईस्ड हाईटेक मार्केट (e-NAM)

- स्टोरेज एवं कोल्डचैन सुविधा एवं बाजार श्रृखला (मार्केट लिंकेज) का सुदृणीकरण करना।
- NFSM योजनान्तर्गत अनाज, दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करना।
- ग्रीष्मकालीन फसलों के उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करना ।

योजनाएं

- प्रत्येक चलित पशु चिकित्सा इकाई में एक वाहन, एक पैरावेट (विभागीय प्रशिक्षित गौसेवकों) तथा एक विभागीय पशु चिकित्सक के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाए उपलब्ध कराई जा रही है।
- देशी नस्लों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु ETT Lab की स्थापना बुल मदर फार्म भोपाल पर की गयी है। इस तकनीकि से गिर,साहीवाल,मालवी, निमाडी नस्ल के 546 भ्रूण प्रत्यारोपित किये गये जिससे 225 गायें गर्भित हुई है तथा 171 वत्स उत्पादित हुए।

सुझाव:-

- प्याज भण्डार गृह की क्षमता 25 मी.टन के स्थान पर 50 में. टन जो कि एन.एच.आर.डी.एफ द्वारा स्वीकृत ड्राईंग डिजाइन अनुसार किया जाना ।
- फल एवं सब्जी के भंडार हेतु सोलर डिहाड्रेशन यूनिट स्थापित करने पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाना।

योजनाएं

- शत-प्रतिशत किसानों का मिटटी परीक्षण-12 मानकों सहित सूक्ष्म पोषक तत्व के लिये मिटटी की जांच की जाकर, मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराना।
- प्रत्येक गांव के लिये मृदा उर्वरता मानचित्र विकसित किया जायेगा।
- 3000 नये कस्टम हायरिंग केन्द्र विकसित किये जायेंगे।
- हाई-टेक कस्टम हायरिंग केन्द्र विकसित किये जायेंगे।
- किसानों के लिये सौर जल पंप स्थापित किये जायेंगे।
- सभी किसानों को ई-सारथी अंतर्गत प्रभावी दायरे में रखना।
- माइक्रो सिचाई योजना में सम्मिलित किया जायेगा।
- सूखारोधी, लघु अवधि की किस्मों बढावा दिया जायेगा।
- हरीखाद, आर्गेनिक खाद के उपयोग को बढावा दिया जायेगा।

लक्ष्य 2030

क्र.	सांकेतक	2019-20	2023-24	2029-30
1	खरीफ फसल क्षेत्र में वृद्धि (लाख हैक्टर में)	136.25	137.00	137.10
2	रबी फसल क्षेत्र में वृद्धि (लाख हैक्टर में)	120.30	129.50	129.70
3	ग्रीष्मकालीन फसल क्षेत्र में वृद्धि (लाख हैक्टर में)	4.00	5.50	7.00
4	बीज उत्पादन कार्यक्रम में वृद्धि (लाख हैक्टर में)	4642910	5633621	6298243
5	बलराम ताल द्वारा पानी रिचार्ज में वृद्धि (संख्या में)	4303.00	6300	11161
6	रिज फरो सिस्टम में वृद्धि (संख्या में - लाख / हेक्टेयर)	34.00	36.00	40.00
7	रेज़्ड बेड प्लांटिंग में वृद्धि में (संख्या में - लाख / हेक्टेयर)	1.50	2.00	3.00

धन्यवाद